**भारत सरकार**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या : 1989**
**दिनांक 30 जुलाई, 2026**

## ईंधन की कीमतों में कमी

†1989. **श्री ए. राजाः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने ईरान और अमरीका के बीच हाल ही में हुए शांति समझौते के बाद कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में आई गिरावट पर ध्यान दिया है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार महँगाई के दबाव को कम करने और आम जनता को राहत प्रदान करने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को कम करने पर विचार करेगी; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को कम करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि जारी रखे जाने के क्या कारण हैं?

**उत्तर**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री सुरेश गोपी)**

(क) से (घ) देश में पेट्रोल और डीजल के मूल्य बाजार-निर्धारित हैं और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसीज) पेट्रोल और डीजल के मूल्य निर्धारण पर उचित निर्णय लेती हैं।

पश्चिम एशिया में स्थिति संघर्ष की पुनरावृत्ति के कारण अस्थिर बनी हुई है। पश्चिम एशिया संकट से पहले, कच्चे तेल का मूल्य (इंडियन बास्केट) 69 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल (फरवरी 2026) था और मार्च 2026 के दौरान बढ़कर 136.68 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया और विभिन्न भू-राजनीतिक और बाजार कारकों के कारण इसमें उतार-चढ़ाव जारी रहा है। 23 जुलाई 2026 तक भी, कच्चे तेल का मूल्य 103.33 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल था। पेट्रोल और डीज़ल की बिक्री में भारी नुकसान होने के बावजूद, पीएसयू ओएमसीज द्वारा इनके मूल्यों में केवल मामूली बढ़ोतरी की गई। पेट्रोल और डीजल का वर्तमान आरएसपी क्रमशः 102.12 रुपये और 95.20 रुपये प्रति लीटर (दिल्ली की कीमतें) है।

इसके अलावा, उपभोक्ताओं को इसके प्रभाव से बचाने के लिए, सरकार ने मार्च 2026 में पेट्रोल और डीजल प्रत्येक पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी की, लेकिन साथ ही इसके परिणामस्वरूप कर राजस्व में काफी कमी आई।

*****